RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ARJUN BATCH

कक्षा-12 | राजनीति विज्ञान

दो ध्रुवीयता का अंत

CHAPTER 01 | PART 01

LIVE | 24 AUG | 6 PM



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

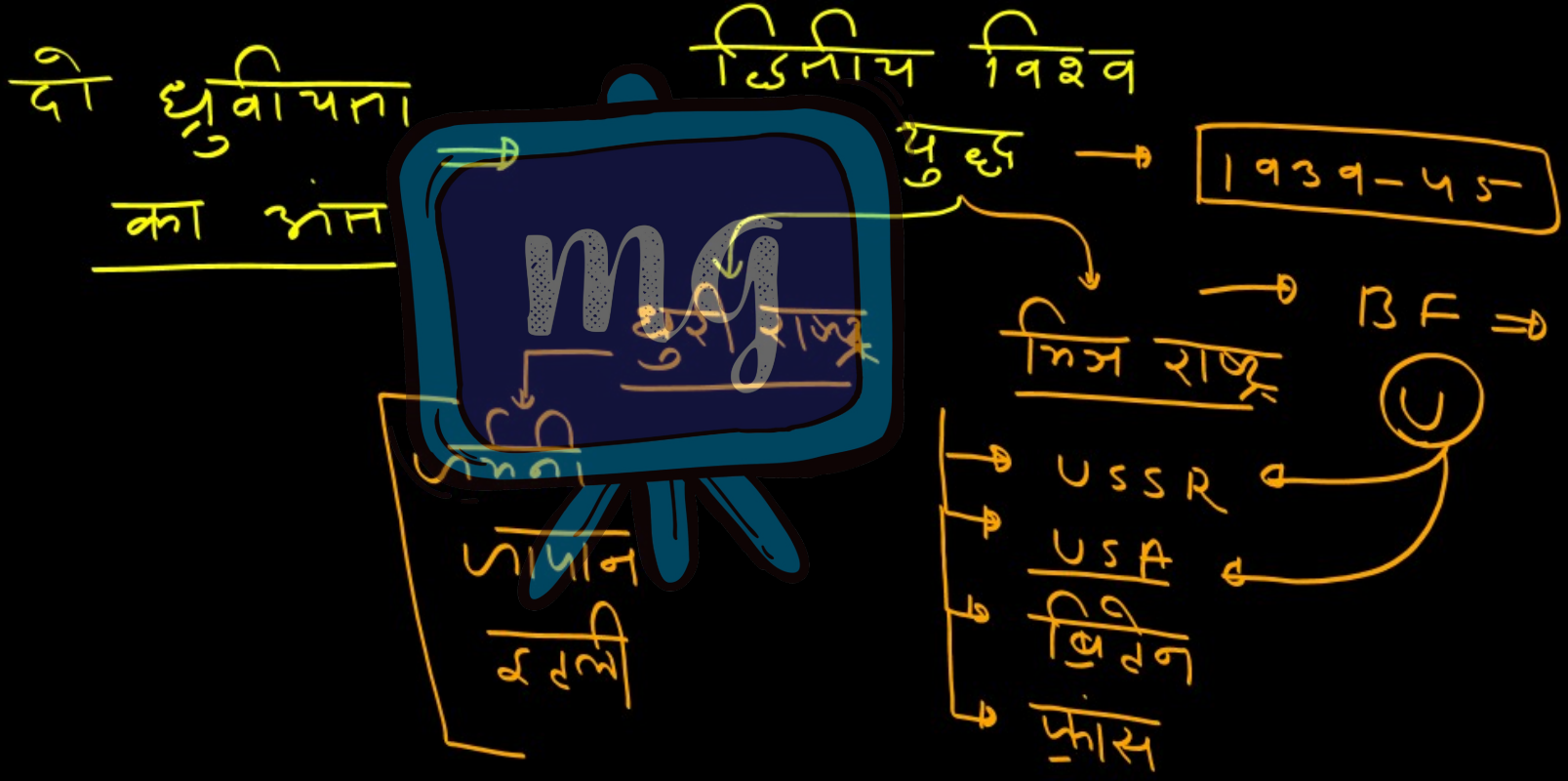
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?

सोवियत प्रणाली

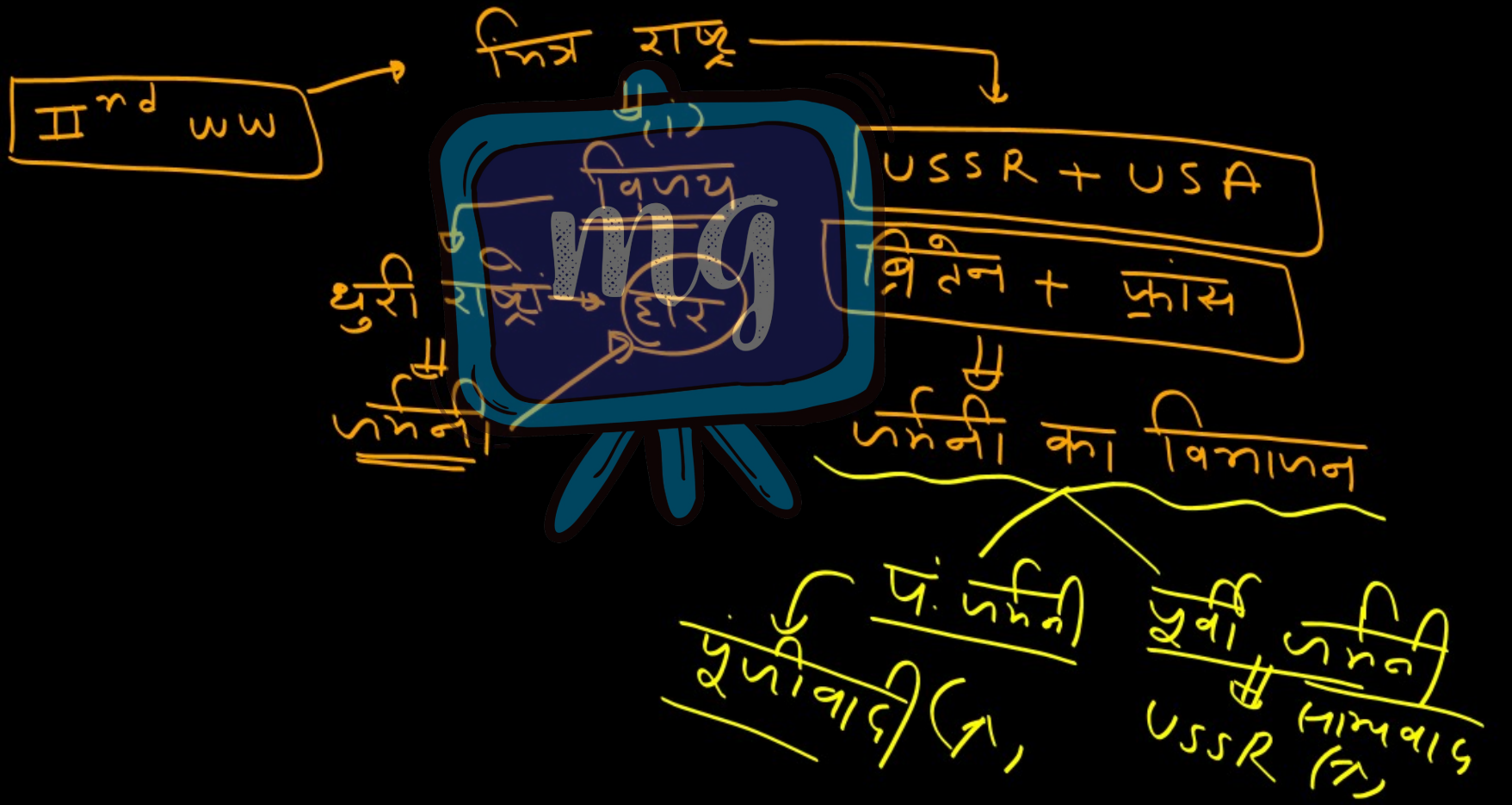
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

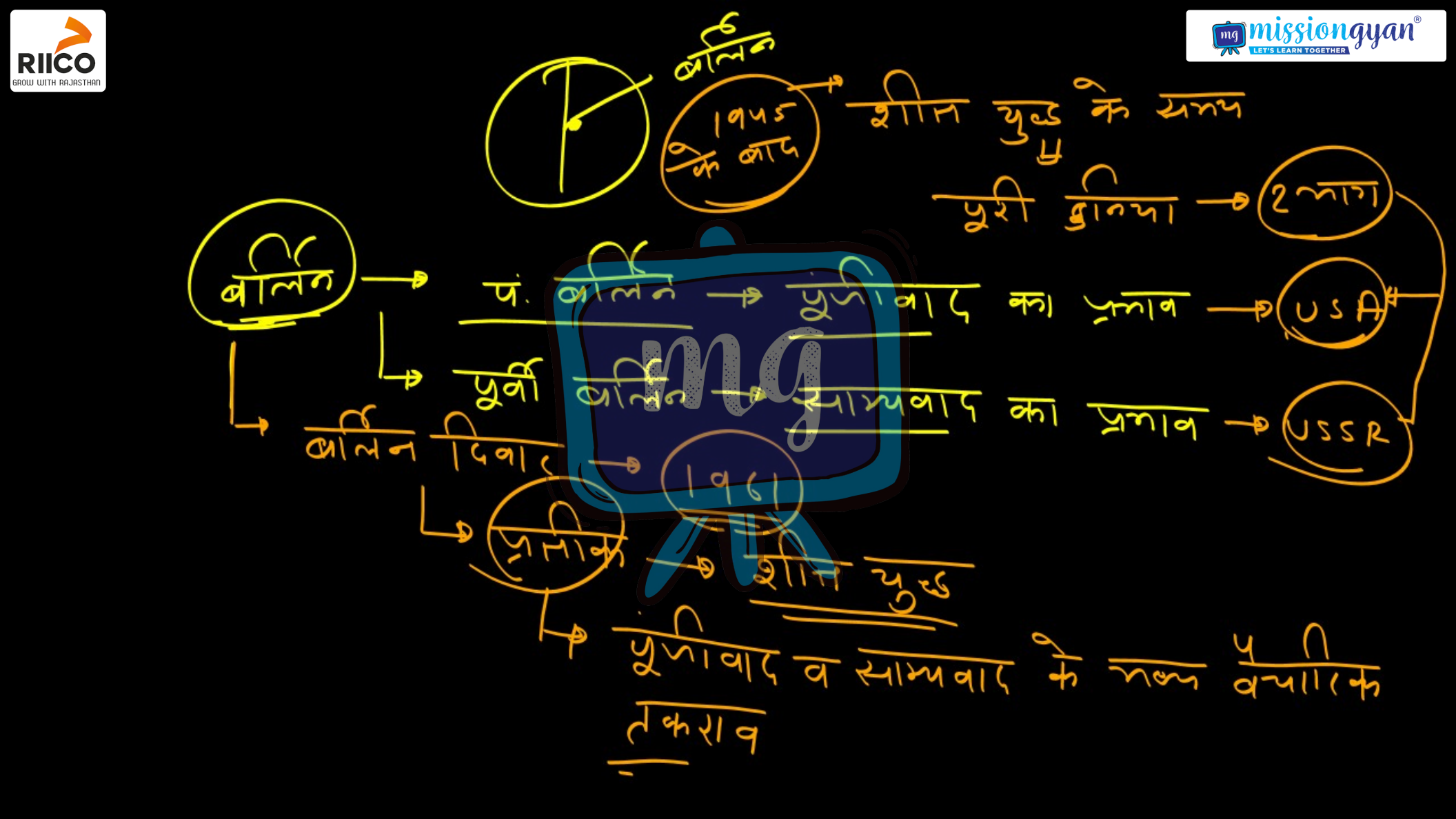
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

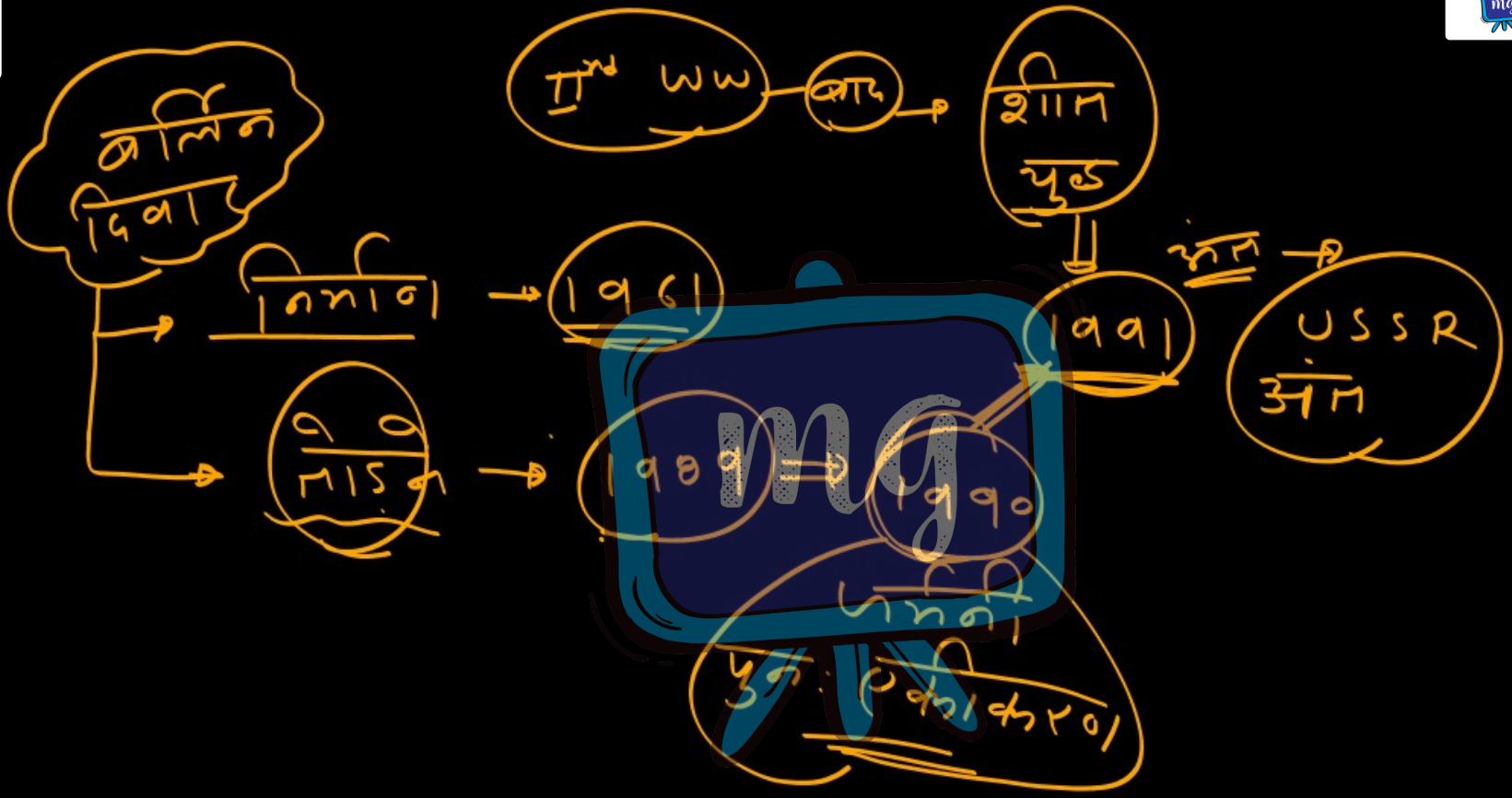


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER




बर्लिन
1945 के बाद
शीत युद्ध के समय
पुरी दुनिया → 2 भाग
बर्लिन
पं. बर्लिन → पूंजीवाद का प्रभाव → USA
पूर्वी बर्लिन → साम्यवाद का प्रभाव → USSR
बर्लिन दिवार → 1961
प्रतीक → शीत युद्ध
पूंजीवाद व साम्यवाद के मध्य वैचारिक टकराव


बर्लिन दिवार
II nd WW
बाद
शीत युद्ध
1961
1989
1990
1991
USSR अंत
जर्मनी
एक : पश्चिम

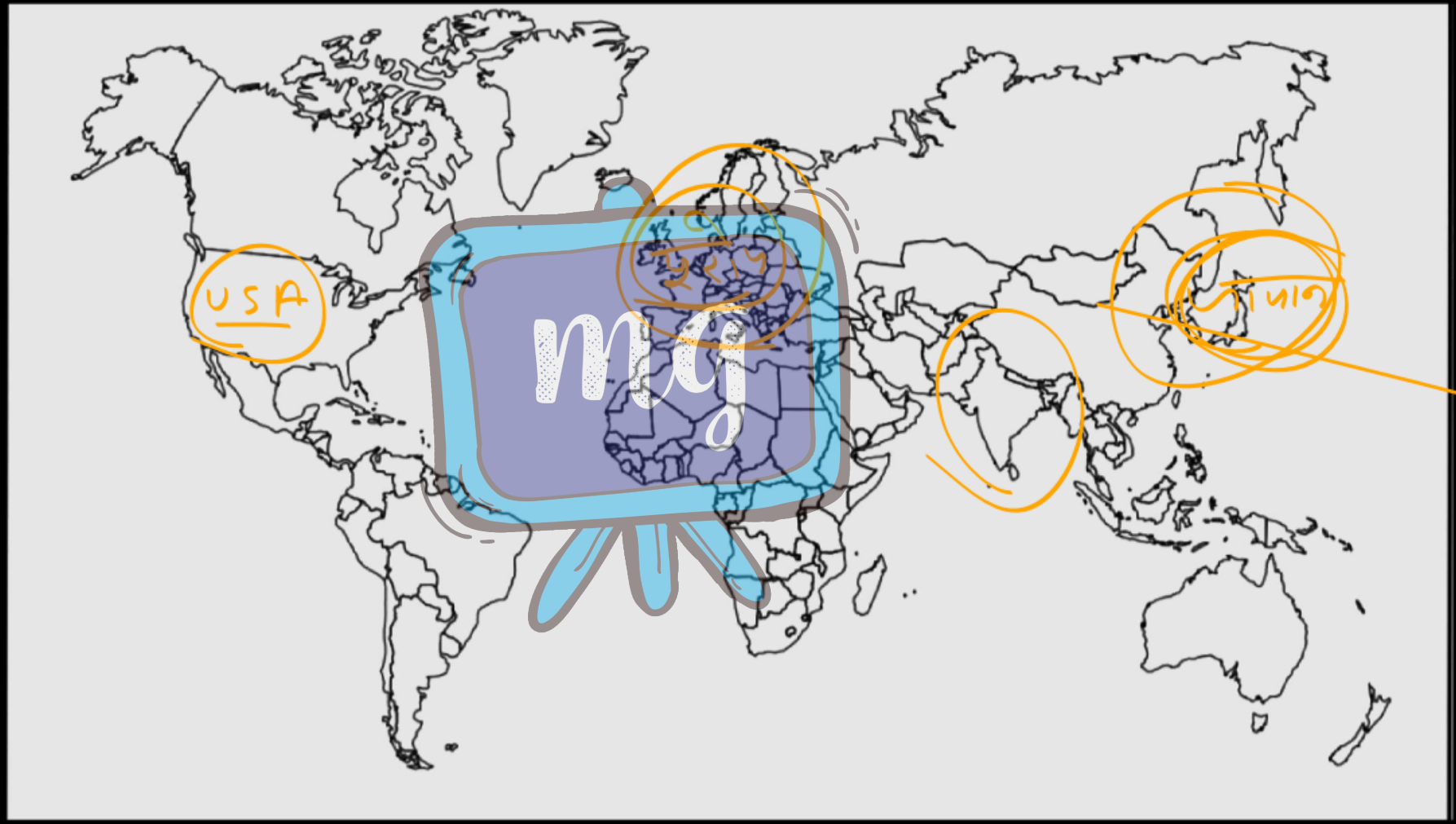

IRGENDWANN fällt jede MAUER
MAN MUSS EIN MAUER


Hilf
atlos








USA

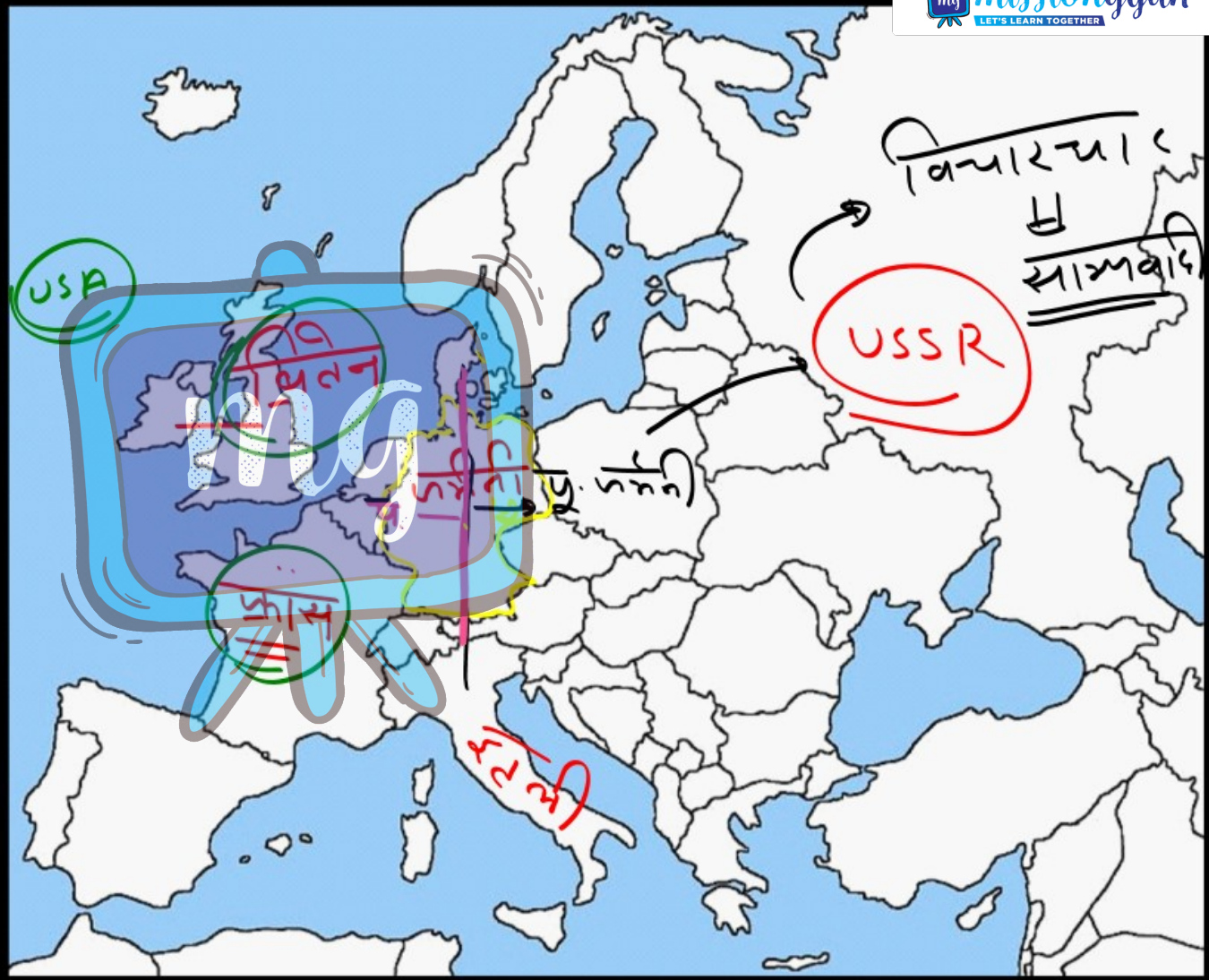
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

प. जर्मनी

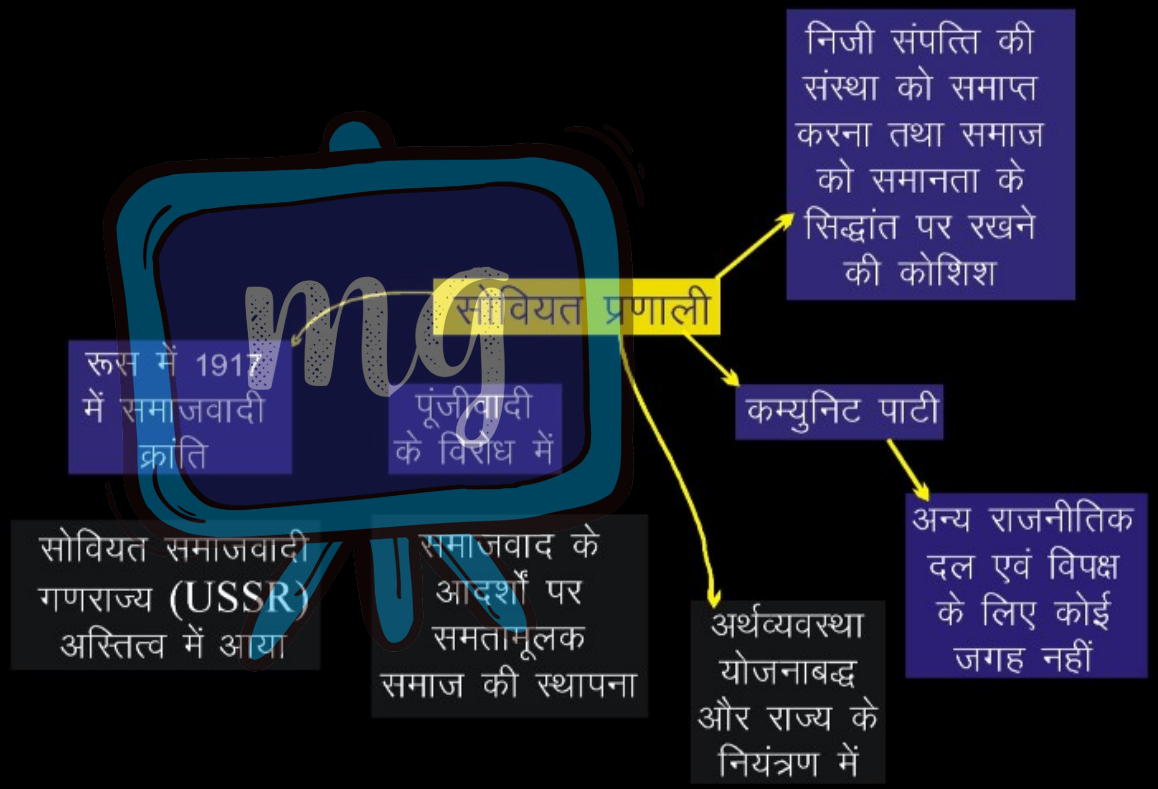
↳ पूंजीवादी

- ब्रिटेन
- फ्रांस
- USA अमेरिका



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



दूसरी दुनिया

- समाजवादी खेमे के देश
  - नेता समाजवादी सोवियत गणराज्य
- राजनीतिक और सामाजिक व्यवस्था की प्रणाली
  - सोवियत संघ की समाजवादी प्रणाली की तर्ज पर

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

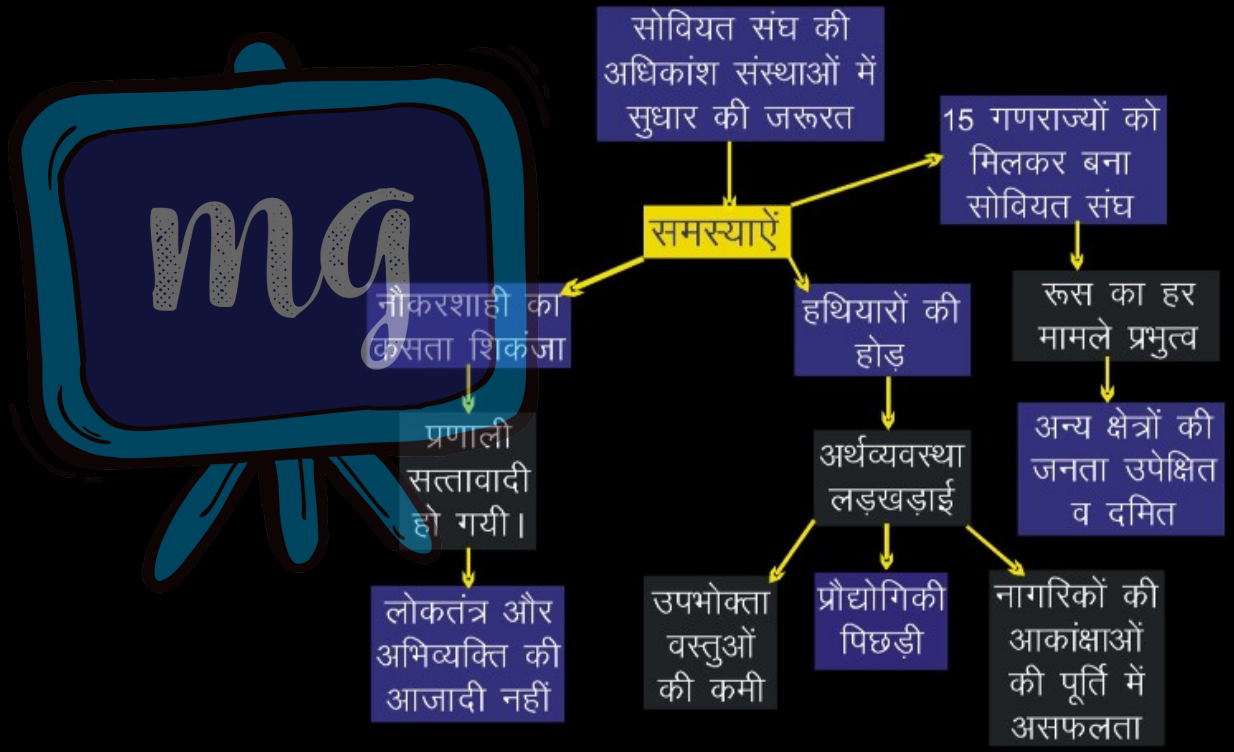
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद

- सोवियत संघ महाशक्ति के रूप में उभरा।
- अर्थव्यवस्था ज्यादा विकसित।
- उन्नत संचार प्रणाली।
- विशाल ऊर्जा संसाधन।
- दूर-दराज के इलाकों में आवागमन की सुव्यवस्थित और विशाल प्रणाली।
- घरेलू उपभोक्ता उपभोग भी उन्नत।
- सरकारी बुनियादी जरूरत की चीजें जैसे स्वास्थ्य-सुरक्षा, शिक्षा, बच्चों की देखभाल, लोककल्याण की चीजें रियायती दर पर उपलब्ध कराती।
- बेरोजगारी नहीं थी।
- भूमि और अन्य उत्पादक संपदाओं पर स्वामित्व व नियंत्रण राज्य का।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

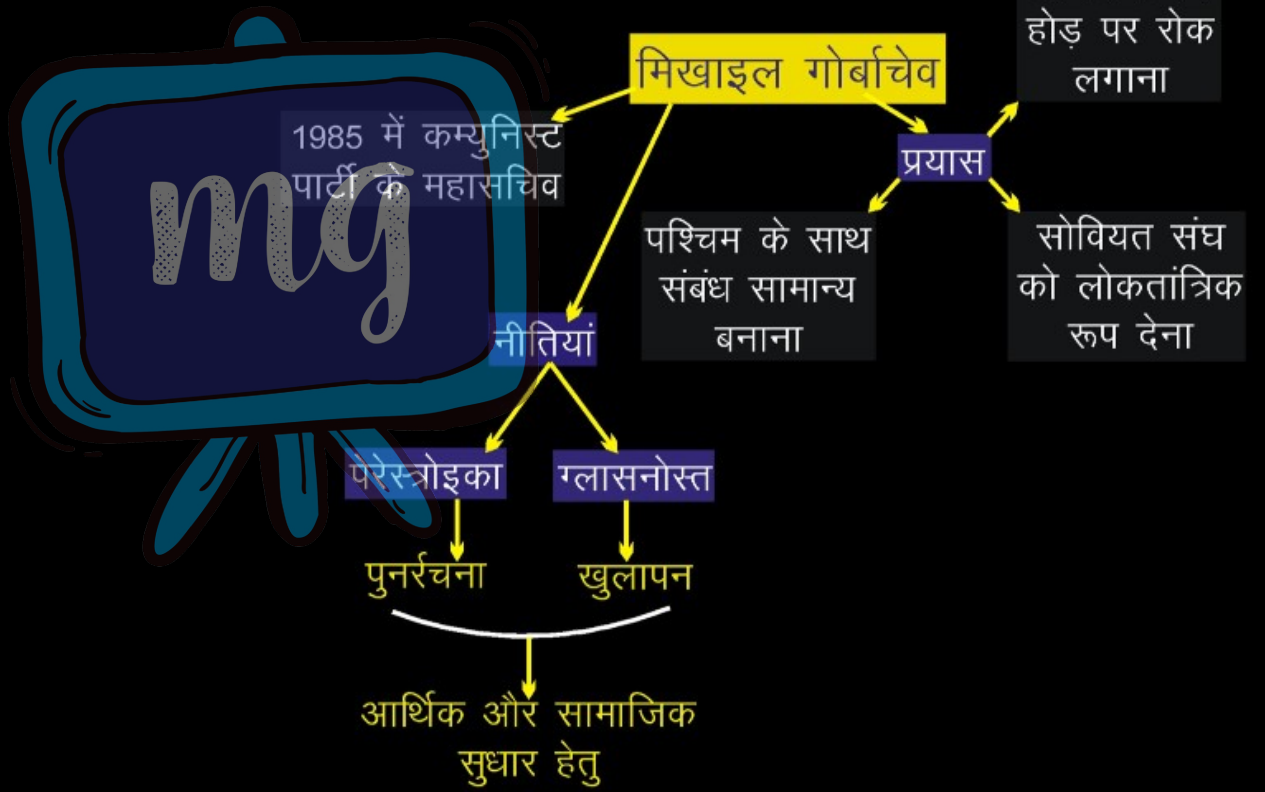
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

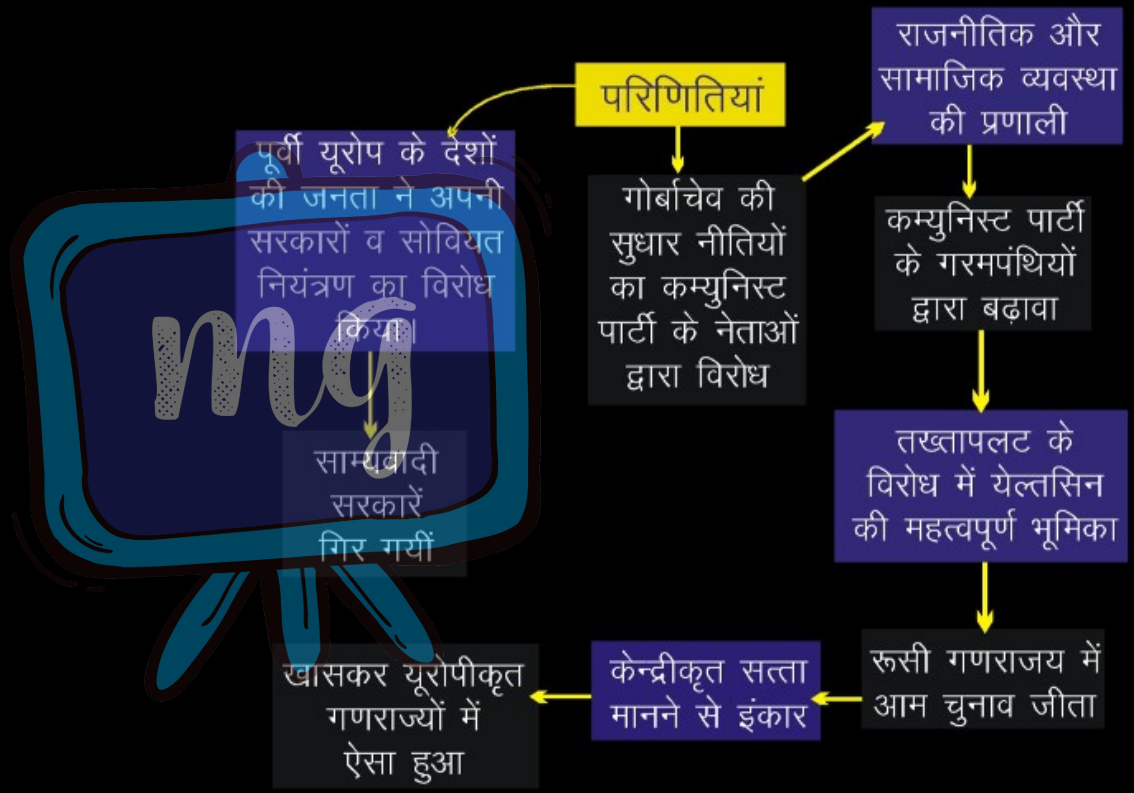
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कुछ कदम समाधान की ओर



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

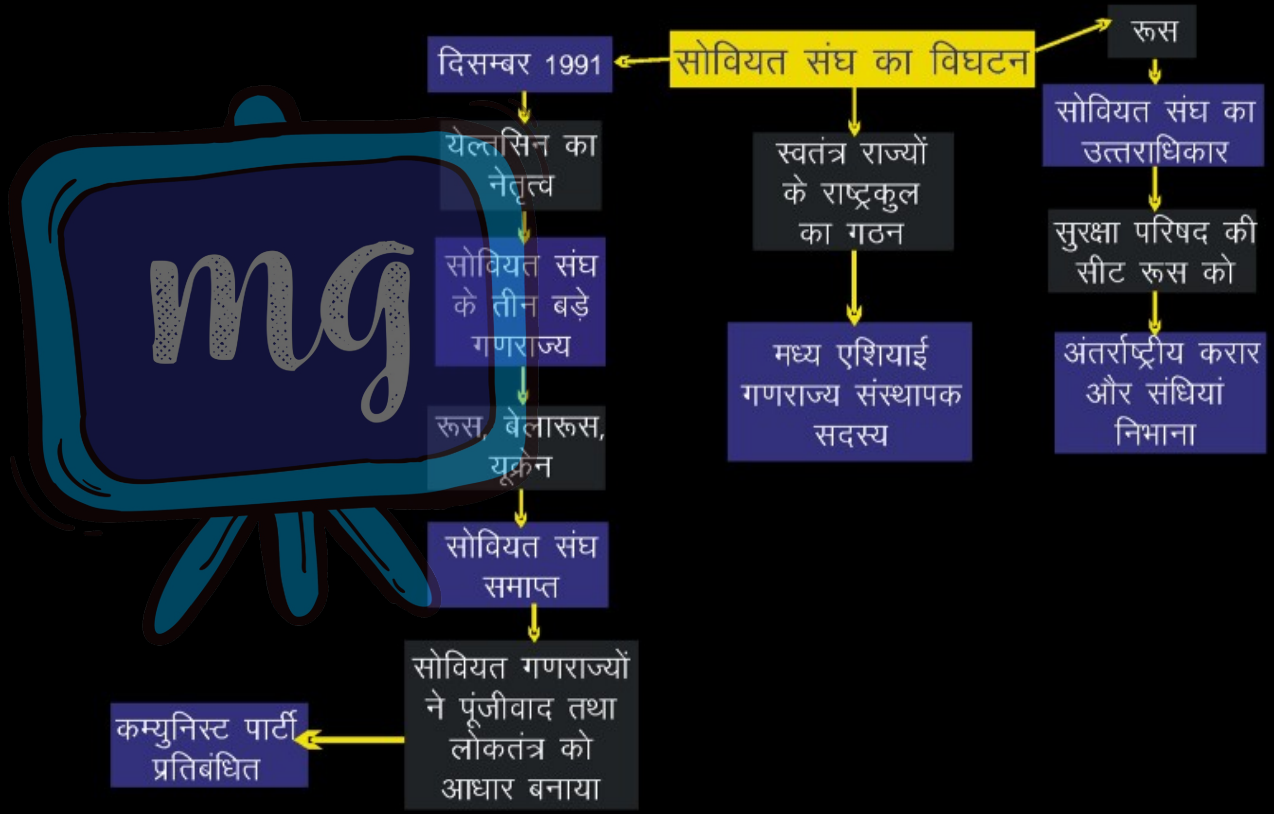
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



'मध्य एशियाई' गणराज्यों ने अपने लिए स्वतंत्रता की मांग नहीं की, वे सोवियत संघ के साथ ही रहना चाहते थे।

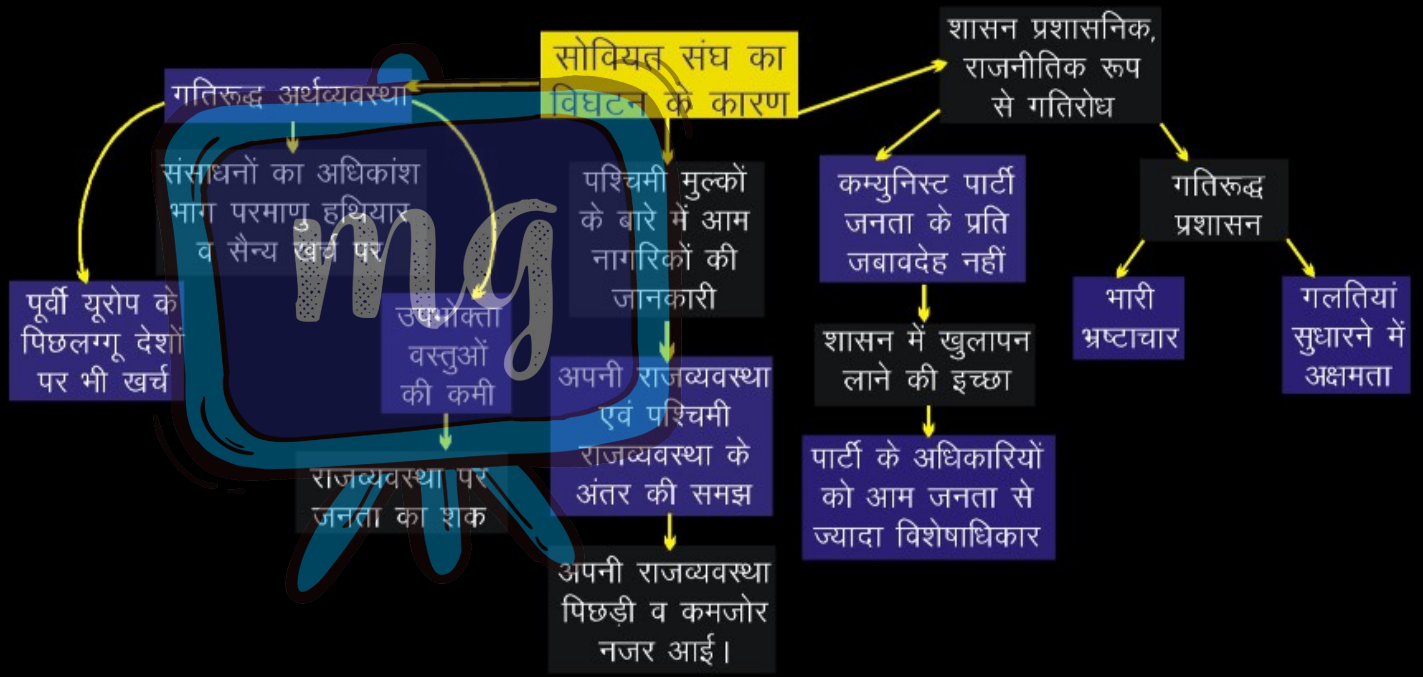
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



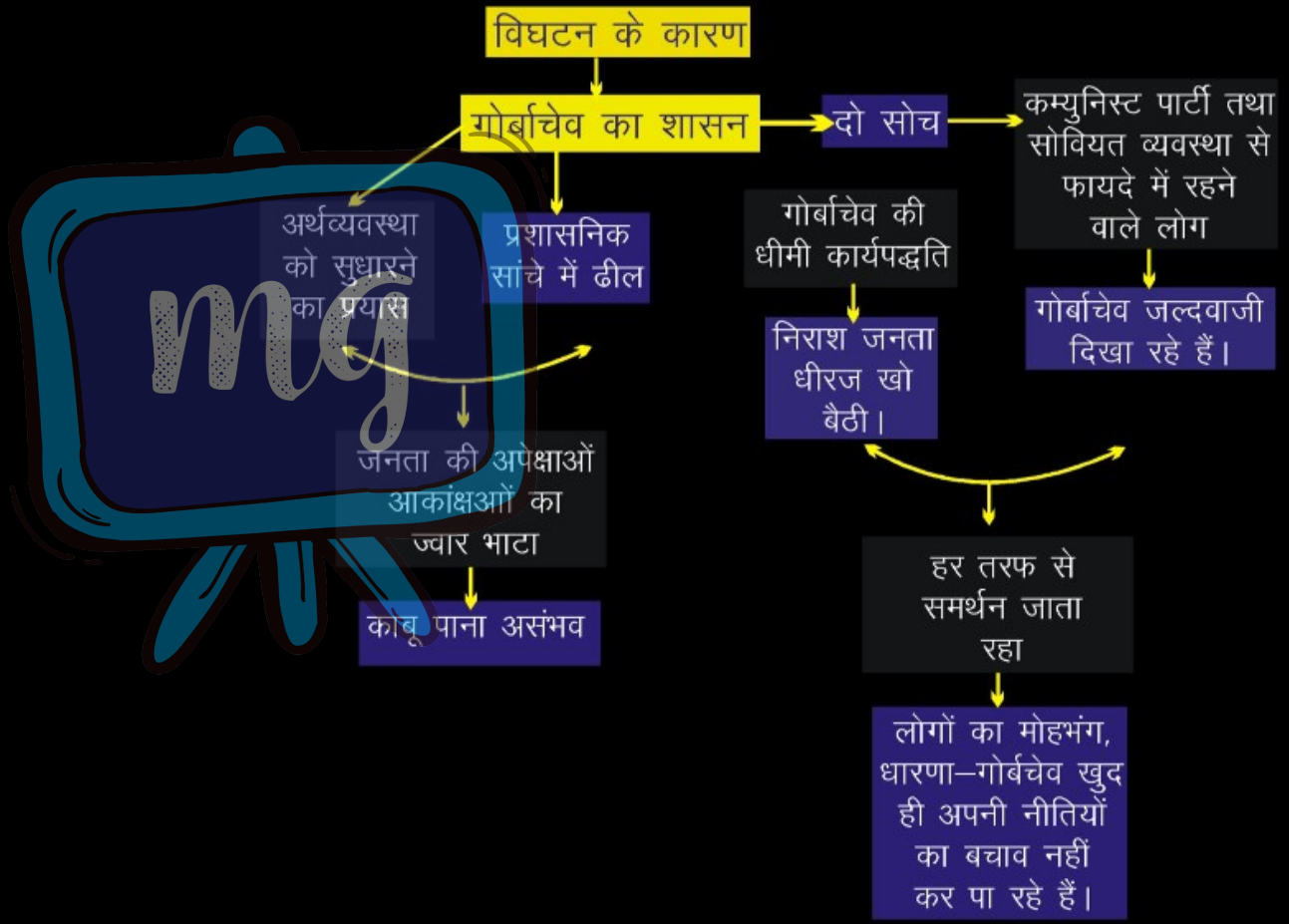
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



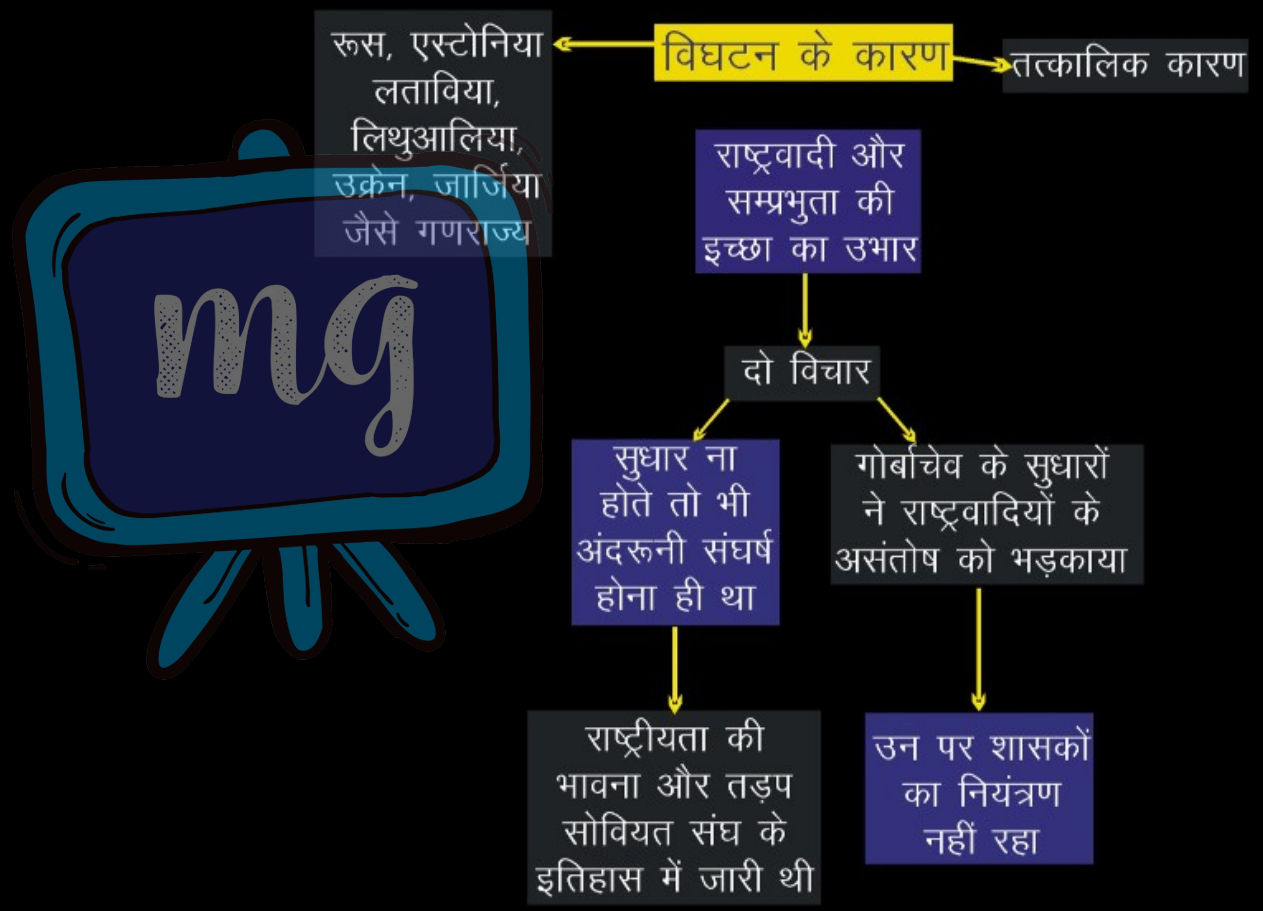
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

चौकाने वाली घटना

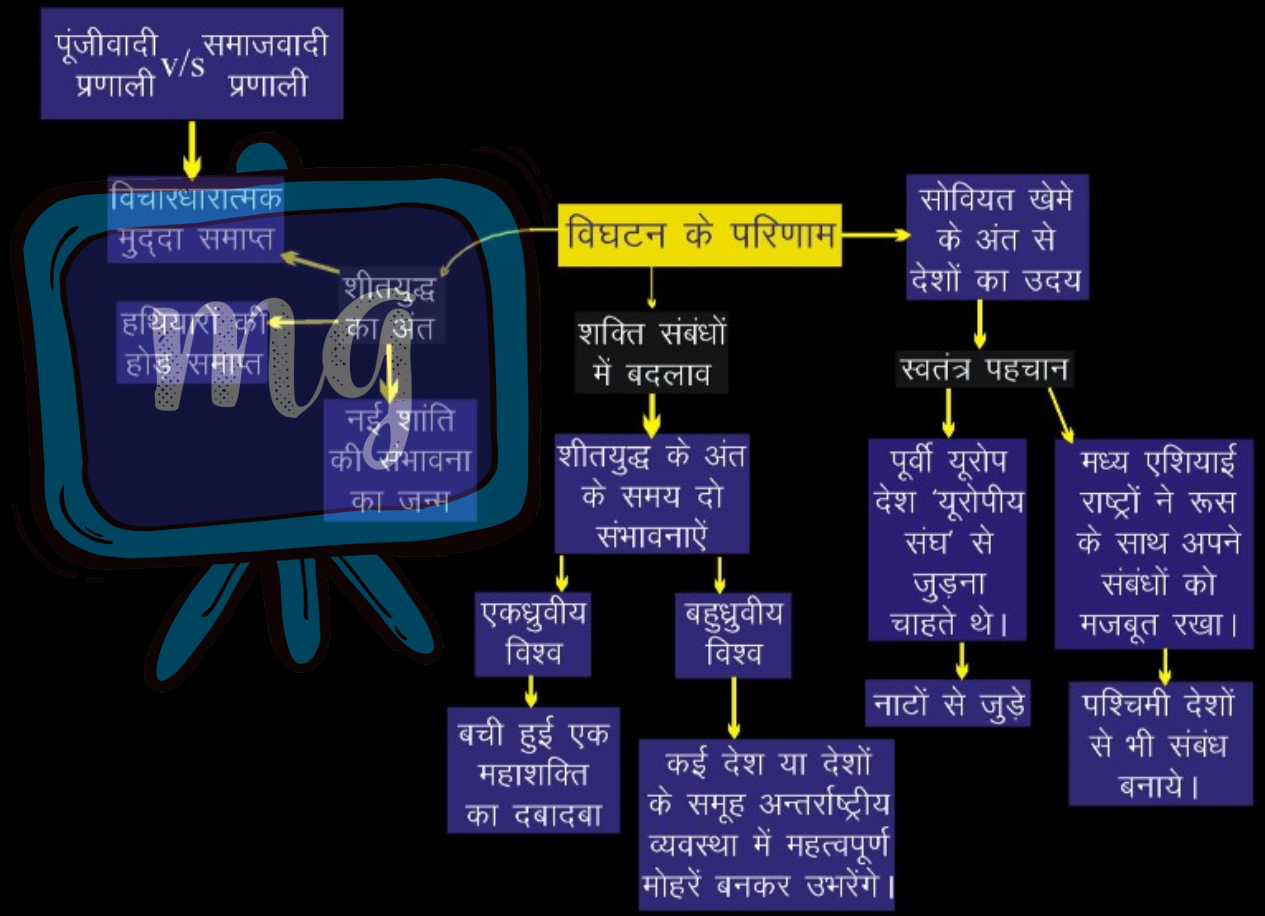
पूर्वानुमान : सोवियत संघ के मध्य एशियाई गणराज्यों में राष्ट्रवादी आकांक्षाओं का उभार सबसे अधिक होगा।

क्योंकि : ये रूस से धार्मिक और नस्ली लिहाज से अलग तथा आर्थिक रूप से पिछड़े हुए थे।

लेकिन : सोवियत संघ के प्रति राष्ट्रवादी असंतोष यूरोपीय और अपेक्षाकृत समृद्ध गणराज्यों में सबसे प्रबल नजर आया।

कारण : यहां के आम लोग अपने आपको मध्य एशियाई लोगों से अलग थलग महसूस कर रहे थे।

इनके मन में यह भाव घर कर गया कि ज्यादा पिछड़े इलाके सोवियत संघ में शामिल करने में उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ रही है।


पूंजीवादी प्रणाली v/s समाजवादी प्रणाली
विचारधारात्मक मुद्दा समाप्त
शीतयुद्ध का अंत
हथियारों की होड़ समाप्त
नई शांति की संभावना का जन्म
विघटन के परिणाम
शक्ति संबंधों में बदलाव
शीतयुद्ध के अंत के समय दो संभावनाऐं
एकध्रुवीय विश्व
बची हुई एक महाशक्ति का दबादबा
बहुध्रुवीय विश्व
कई देश या देशों के समूह अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था में महत्वपूर्ण मोहरें बनकर उभरेंगे।
सोवियत खेमे के अंत से देशों का उदय
स्वतंत्र पहचान
पूर्वी यूरोप देश 'यूरोपीय संघ' से जुड़ना चाहते थे।
नाटों से जुड़े
मध्य एशियाई राष्ट्रों ने रूस के साथ अपने संबंधों को मजबूत रखा।
पश्चिमी देशों से भी संबंध बनाये।